इस मंडन में विराजेंगी जगतजननी, इसी स्टेडियम में होता था रावण के पुतले का निर्माण, इस बार खाली पड़ा है स्टेडियम।

ऐतिहासिक रामलीला मैदान में सूना पड़ा रामलीला मंच जिसकी साफ-सफाई भी नहीं कराई गई।

कैमोर में इस बार भी नहीं होगा रावण के विशाल पुतले का दहन

दुर्गा मंडप में विराजेंगी जगत जननी, सूना रहेगा रामलीला मंच

कैमोर। उद्योग नगरी कैमोर के एसीसी रामलीला मैदान में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक दशहरा महोतत्सव का आयोजन इस बार भी नहीं होगा। रावण के विशालकाय पुतले का दहन और आकर्षक आतिशबाजी के रोमांचक नज़ारे से भी लोगों को वंचित रहना पड़ेगा। रामलीला मंचन को लेकर भी अब तक दशहरा उत्सव कमेटी ने कोई निर्णय नहीं लिया अलबत्ता नवरात्र पर्व पर प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी रामलीला मैदान में बने दुर्गा मंडप में आदिशक्ति मां जगतजननी की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। लोग सुबह शाम की आरती में भाग लेते हुए मां भगवती के दर्शन कर सकेंगे। सब कुछ कोरोना प्रोटोकॉल और शासन से प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुरूप होगा।

गौरतलब है कि एसीसी रामलीला मैदान में आयोजित होने वाला दशहरा महोत्सव अपने अनूठे आयोजन को लेकर दूर दूर तक प्रसिद्ध है। एसीसी के कुशल कारीगरों द्वारा यहां दशहरे रावण का सौ फुट से भी ऊंचा पुतला तैयार किया जाता था। दशहरे की रात्रि बेहद आकर्षक और रोमांचक तरीके से इस विशाल पुतले का दहन किया जाता था। रावण का पुतला दहन करने पुतले से लगभग पांच सौ मीटर की दूरी पर स्थित रामलीला मंच से अग्निबाण छोड़ा जाता था जो आकाश मार्ग से आकर पुतले से टकराता था। अग्निबाण लगते ही पुतला धू-धू कर जल उठता था। पुतला दहन से पहले लगभग एक घन्टे तक दो अलग-अलग अतिशबाजों द्वारा प्रतिस्पर्धात्मक रूप से अपनी आतिशबाजी का शानदार प्रदर्शन किया जाता था। रावण के विशाल पुतले का दहन और आतिशबाजी का नज़ारा देखने हजारों की संख्या में दर्शक रामलीला मैदान में उपस्थित रहते थे। एसीसी दशहरा उत्सव समिति द्वारा रामलीला मैदान के बाहर विशाल प्रदर्शनी और विराट मेले का भी आयोजन होता था जिसमें देश के कोने कोने से व्यापारी यहां आकर अपना स्टाल लगाते थे। 15.20 दिनों तक यहां भारी चहल पहल रहती थी।

पिछले साल कोरोना की वैश्विक महामारी के कारण शासन ने दशहरा महोत्सव के आयोजन की अनुमति नहीं दी थी लिहाजा न तो यहां रावण के विशाल पुतले का निर्माण किया गया ना ही प्रदर्शनी और मेले का आयोजन किया गया। प्रशासन द्वारा कुछ नियम और शर्तों के साथ नवरात्र पर्व पर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित करने की अनुमति दे दी थी। इस बार भी कोरोना की तीसरी संभावित लहर को देखते हुए दशहरा महोत्सव की अनुमति नहीं मिली अलबत्ता देवी प्रतिमा स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

जन्माष्टमी से शुरू हो जाता था रावण के पुतले का निर्माण

एसीसी रामलीला मैदान में रावण के पुतले के निर्माण का काम जन्माष्टमी से शुरू हो जाता था। पूरा पुतला तैय्यार होने में दो से ढाई महीने का समय लगता था। एसीसी के कुछ अनुभवी कारीगरों के मार्ग दर्शन में लगभग आधा सैकड़ा ठेका श्रमिक मिलकर शतकीय ऊंचाई वाला विशाल पुतला तैयार करते थे। इस पुतले को तैयार कर खड़ा करने में भारी भरकम क्रेन एवं अन्य मशीनरी का भी उपयोग होता था। जिस स्टेडियम में पुतले का निर्माण होता था वह पूरा खाली पड़ा है। पहले जैसा तो क्या रावण के प्रतीकात्मक पुतले का निर्माण भी नहीं हो रहा।

रामलीला मंचन के प्रयास जारी

एसीसी दशहरा उत्सव कमेटी के पदाधिकारी एवं इंटक यूनियन के अध्यक्ष अनिल मौर्या ने एक जानकारी में बताया कि दुर्गा प्रतिमा की स्थापना के लिए अनुमति प्राप्त हो गई है अब रामलीला मंचन के लिए प्रशासन से अनुमति प्रदान करने का आग्रह किया जाएगा। इस सम्बंध में जल्द ही दशहरा कमेटी के अध्यक्ष एवं डायरेक्टर प्लांट के आर रेड्डी की उपस्थिति में कमेटी की बैठक आयोजित की जाएगी। यदि बैठक में रामलीला मंचन की सहमति बनी और प्रशासन से अनुमति मिल गई तो रामलीला मंचन का आयोजन भी किया जा सकेगा।

कोरोना इफेक्ट : पहले दिन 26 फीसदी बच्चे पहुंचे स्कूल

अभिभावकों ने नहीं दिखाई रुचि, महामारी को लेकर अभी भी बना हुआ है भय का वातावरण

कटनी। माध्यमिक स्तर की कक्षाओं के बाद अब प्राथमिक विद्यालयों को सोमवार से खोल दिया गया है, हालांकि पहले दिन स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति कम ही रही। राज्य सरकार ने भले ही स्कूलों में कोरोना गाइडलाइन का पालन करने के निर्देश जारी किए हों लेकिन इसके बावजूद पैरेंट्स की चिंता कम नहीं हुई है। ज्यादातर अभिभावकों को अपने बच्चों को कोरोना संक्रमण होने का डर सता रहा है।

यही कारण है कि सोमवार को जब प्राथमिक विद्यालय खुले तो स्कूलों में महज 26 प्रतिशत ही बच्चे पहुंचे, हालांकि सरकार ने 50 प्रतिशत क्षमता के साथ स्कूल खोलने के निर्देश दिए हैं, इसके बावजूद स्कूलों में बच्चों की कम उपस्थिति यह दर्शाती है कि कोरोना संक्रमण को लेकर अभी भी लोगों में भय का वातावरण बना हुआ है। गौरतलब है कि वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के चलते पिछले करीब डेढ़ साल से बच्चे घरों में कैद थे। स्कूल बंद होने के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो इसके लिए राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा मोहल्ला क्लास का आयोजन किया गया। शिक्षक गांवों में जाकर बच्चों को पढ़ा रहे थे। इसी तरह निजी स्कूलों में ऑनलाइन कक्षाओं का आयोजन किया गया। अब जब कोरोना संक्रमण का असर कुछ कम हुआ तो सरकार ने स्कूल खोलने पर विचार किया और कल सोमवार को जब प्राथमिक स्कूल खुले तो बच्चों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

जिले में 1295 प्राथमिक और 528 मिडिल स्कूल

डीपीसी डी के डेहरिया ने यशभारत को बताया कि जिले में 1295 शासकीय प्राथमिक स्कूल और 528 शासकीय माध्यमिक स्कूल हैं। सोमवार को पहले दिन 26 लगभग फीसदी उपस्थिति दर्ज की गई। जिले में 74 हजार 509 बच्चे दर्ज हैं, जबकि कक्षा पहली से आठवी तक कुल बच्चो की संख्या 1 लाख 29 हजार 905 है। कोरोना संक्रमण की वजह से लगभग डेढ़ वर्ष से बंद प्राथमिक विद्यालयों में सोमवार से रौनक लौटी है।

सोमवार को स्कूल खुलने के बाद शासकीय प्राथमिक विद्यालय मझगवां फाटक में बच्चों को यूनीफार्म का वितरण किया गया।

कोरोना संक्रमण का असर कम होने के बाद राज्य सरकार के निर्देश पर 20 सितम्बर से प्राथमिक विद्यालयों को खोला गया है। जिले के प्राथमिक स्कूलों के खुलने के बाद खासी चहल.पहल नजर आ रही है। विदित है कि 1 सितम्बर से माध्यमिक विद्यालयों को पूर्व में ही खोला जा चुका है। हालांकि अभी सिर्फ 40 फीसदी बच्चे ही पहुंच रहे हैं।

स्कूल खोले जाने के निर्णय पर दोबारा विचार करने जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

देश में कोरोना की संभावित तीसरी लहर की आशंका के बावजूद प्रदेश में छोटे बच्चों के स्कूल खोले जाने के निर्णय पर पुनर्विचार की मांग जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा द्वारा की गई है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक कुमार विश्वकर्मा ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा है। केरल सहित प्रदेश में दिनों-दिन बढ़ रहे कोरोना के नए मामलों के मद्देनजर उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि स्कूलों को खोले जाने के बाद कोरोना के मामलों में बढ़ोत्तरी हो सकती है, वहीं साथ ही प्रदेश में डेंगू और वायरल फीवर के भी कई मामले सामने आ रहे हैं, ऐसे में विशेष सतर्कता की जरूरत है। जिले में कोविड की तीसरी लहर की आशंका के बावजूद अब तक पर्याप्त इंतजाम न होने पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक कुमार विश्वकर्मा ने चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा को लिखे पत्र में बताया कि जिले के उपस्वास्थ्य केंद्रों में ऑक्सीजन लाइन और ऑक्सीजन बेड के इंतजाम अब भी अधूरे पड़े हैं। इतना ही नहीं जिला अस्पताल सहित जिले के प्रमुख स्वास्थ्य केंद्रों में अब भी स्पेशल कोविड केयर चिल्ड्रन वार्ड की व्यवस्था नहीं की गई है। ऐसे में त्योहार के इस मौसम में यदि कोविड की स्थिति बनती है तो जिले को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते है।

इनका कहना है

कोरोना संक्रमण का असर कम होने के बाद सोमवार से प्राथमिक विद्यालयों को 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खोला गया है। पहले दिन करीब 26 प्रतिशत बच्चे स्कूल आए। माध्यमिक विद्यालयों को एक सितंबर से खोला जा चुका है। स्कूलों में कोरोना गाइडलाइन का पालन किया जा रहा है।

-डी के डेहरिया, जिला परियोजना समन्वयक

ढाई हज़ार से अधिक श्रमिकों को बांटे भोजन के पैकेट

कैमोर। कैमोर से लगभग 7.8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित अमहटा ग्राम में एसीसी के नए प्रोजेक्ट का कार्य तेजी से चल रहा। अगर निर्माण कार्य ऐसे ही चलता रहा तो अगले साल 2022 तक नये प्लांट में क्लिंकर उत्पादन प्रारंभ हो जाएगा। एसीसी के इस प्रोजेक्ट में लगभग ढाई हज़ार से भी अधिक स्थानीय और बाहरी श्रमिक कार्य कर रहे। बीते अनंत चतुर्दशी को रविवार के दिन प्रोजेक्ट हेड मनोज शर्मा एवं एसीसी एच आर विभाग की ओर से यहां कार्यरत 2800 श्रमिकों को भोजन के पैकेट वितरित किये गए। श्रमिकों का मनोबल बढ़ाने समय समय पर अच्छा कार्य करने वाले श्रमिकों को प्रोजेक्ट हेड द्वारा पुरुस्कृत भी किया जाता है ताकि वे अपनी पूरी योग्यता और कार्य छमता के साथ काम कर सकें।

ताइक्वांडो कप में भाविक का शानदार प्रदर्शन

कटनी। सेंट सोल्जर स्कूल, सेक्टर-16, पंचकूला के 8 वर्षीय भाविक जिंदल ने 19 सितंबरए 2021 को स्टेला मैरिस पब्लिक स्कूल, एमडीसी, सेक्टर-4, पंचकुला में आयोजित दूसरे डिफेंस ताइक्वांडो कप 2021 में तीन पदक जीतकर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया जिस्का आयोजन डिफेंस ताइक्वांडो क्लबए एमडीसीए पंचकूला द्वारा कराया गया। उन्होंने क्योरुगी एक फाइट इवेंट तायक्वोंडो का अनुशासन में स्वर्ण पदक जीता, बोर्ड ब्रेकिंग इवेंट में एक और स्वर्ण पदक और पूमसे इवेंट में कांस्य पदक रक्षा और हमले का एक पैटर्न जीता। मुख्य अतिथि नरिंदर पाल सिंह लुबाना, पार्षद वार्ड नंबर 1, पंचकूला और अध्यक्ष, भाजयुमो भाजपा युवा, पंचकूला और सुश्री रेणु सिंह, महिला मोर्चा भाजपा पंचकूला की मंत्री और सुरेश वर्मा, वार्ड नंबर 2 के पार्षद थे। भाविक जिंदल अन्य खिलाड़ियों में एकमात्र ताइक्वांडो खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 19 सितंबर को एक ही दिन में 3 इवेंट्स में भाग लिया था। उन्होंने तीन साल की अवधि में कुल 28 पदक जीते हैं जो खेल के प्रति उनके दृढ़ संकल्प और समर्पण को दर्शाता है। भाविक 8 साल का है और दूसरी कक्षा में पढ़ता है। वह रोजाना 1.5 घंटे ताइक्वांडो की प्रैक्टिस करता है। वह ओनीक्स ताइक्वांडो अकादमी, बलटाना और पंचकूला के सतिंदर सिंह से ताइक्वांडो कौशल सीख रहा है।

शिविर में आधा सैकड़ा ने कराई नेत्रों की जांच

सेवा सप्ताह के तहत जांयट्स सहेली द्वारा शिविर का आयोजन

कटनी। सेवा सप्ताह के दूसरे दिन जांयट्स सहेली द्वारा नि:शुल्क नेत्र शिविर डॉ कमलेश गौतम की निगरानी में कटनी से नजदीक एक गांव में जाकर नेत्र शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 50 लोगों का नि:शुल्क चेकअप किया गया और 10 लोगों के ऑपरेशन के लिए एक निश्चित तारीख दी गई। इसी कड़ी में वही की अस्पताल में कोरोना में जो सबसे ज्यादा काम अस्पताल के सफाई कर्मचारियों ने किया है, उनका सम्मान किया गया, जिसमें अस्पताल की सफाई कर्मचारी की महिलाओं को साड़ी और पुरुषों को शर्ट दी गई और नर्सों का भी फूलमाला देकर सम्मान किया गया, जिसमें नर्स अर्चना तिवारी, संगीता मरकाम, मीनाक्षी अवस्थी, अमृता तिवारी का सम्मान किया गया और डॉ. कमलेश गौतम और डॉ. सत्येंद्र पांडे को जांयट्स का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया, इसमें अध्यक्ष प्रिया श्रीवास्तव, सचिव दीपाली गुप्ता, ग्रुप संस्थापक गीता जोशी, यूनिट डायरेक्टर दीपिका शर्मा सक्रिय सदस्य कल्पना दुबे, दिव्या तिवारी, सविता प्यासी और सहेलियों की उपस्थिति रही। यह कार्यक्रम सविता प्यासी के निर्देशन में किया गया।

यश भारत

सिटी न्यूज

कटनी, मंगलवार, 21 सितम्बर 2021

आज की खबर अभी , आप रहें घर पर
सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर यशभारत
www.yashbharat.com
https://www.facebook.com/yashbharatnews/
YASHBHARAT-Epaper

ग्रास रूट लेबल पर मजबूत होगी कांग्रेस

गांव-गांव और वार्डों में जाकर करेंगे बैठक- भानोट, संगठन प्रभारी की मौजूदगी में पार्टी की अहम बैठक

कटनी। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण एवं शहर की संयुक्त बैठक में कटनी के प्रभारी पूर्व वित्तमंत्री एवं विधायक तरुण भानोट ने कहा कि आगामी समय में गांव-गांव और प्रत्येक वार्ड में जाकर कांग्रेस की बैठक की जाएगी। कांग्रेस को ग्रास रूट लेबल पर मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। कांग्रेस कैसे भी दौर में रही हो लेकिन कटनी के कार्यकर्ताओं ने जिस प्रकार से मेहनत करके कांग्रेस को मजबूत किया है वह काबिले तारीफ है। आने वाले समय में कटनी की हर बात को भोपाल में पहुंचाने का कार्य मैं प्रभारी के रूप में करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शासन में जिस प्रकार से महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है उस बात को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को करना है। आने वाले समय में कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ताओं को इतना मजबूत कर दिया जाएगा कि उनकी रायशुमारी के आधार पर ही विधानसभा, लोकसभा, पंचायत या पार्षद के चुनाव में उम्मीदवार तय होंगे। बैठक में जिला शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मिथलेश जैन ने कार्यकर्ताओं को विश्वास दिलाया कि कटनी कांग्रेस को ऐसे प्रभारी मिले है जो

कि प्रदेश कांग्रेस में एक महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। जिनके कारण आने वाले समय में कटनी के हर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उनका उचित स्थान दिया जाएगा और कांग्रेस को मजबूत करने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से ही पूछ कर हर निर्णय लिया जाएगा। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष गुमान सिंह ने कहा कि पार्टी में अनुशासन और महत्वपूर्ण है बिना अनुशासन के पार्टी को मजबूत नहीं किया सकता। इसलिए प्रभारी के द्वारा तय की गई गाइडलाइंस के आधार पर ही कार्य किया जाएगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आगामी चुनाव के पूर्व जिला शहर व ग्रामीण कांग्रेस द्वारा बूथ स्तर पर कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।

बैठक में पूर्व विधायक निशिथ पटेल, पदमा शुक्ला, प्रियदर्शन गौड़, करन सिंह चौहान, के एल जैन, विजय पटेल, मनु दीक्षित, अंशु मिश्रा, मनोज गुप्ता एडवोकेट, रजनी सोनी, पंकज गौतम, गिरिश गर्ग एडवोकेट, शिवकुमार यादव, माया चौधरी, मौसूफ अहमद एडवोकेट, निशा मिश्रा, महेन्द्र जैन, हेमलता शर्मा, रमेश सोनी, इश्तियाक अहमद, राकेश द्विवेदी गुड्डू, संजय बिलौहा, अजय गर्ग, नरेंद्र सैनी, पुरुषोत्तम गौतम, अरविंद बड़गैया, विक्रम खम्परिया, अंकित चतुर्वेदी, सुधीर पटेल, पुरुषोत्तम गौतम, राजेश जाटव, अशोक मंगल गौटिया, मारूफ अहमद हनफी, डॉ आनन्द पटेल, सुजीत द्विवेदी, राजा जगवानी, मंजू निषाद, मीनाक्षी बलवी, संजय बिलौहा, सतवीर सिंह भाटिया, पार्थ समाधिया, विकास पाण्डेय, ताज मोहम्मद, अमित शुक्ला एडवोकेट, मुकेश यादव, रौनक खंडेलवाल, अजय खटीक, बबलू खान, आफताब अहमद, विजय मंगल चौधरी सहित भारी संख्या में कांग्रेसजनों की उपस्थिति रही।

विधायक की फोटो न होने से बिफरे समर्थक

पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक में मंच पर जो बैनर लगाया गया था उसमें कटनी जिले के एकमात्र कांग्रेस विधायक बसंत सिंह की फोटो न होने से उनके समर्थक बिफर पड़े। मंच पर लगे बैनर में स्थानीय नेताओं में केवल दोनों अध्यक्षों को ही महत्व दिया गया था, जबकि कार्यकर्ताओं का कहना है कि जिले में संघर्ष करके जिस नेता ने विधानसभा चुनाव जीता उसे भी स्थान दिया जाना था। इस बात को लेकर न केवल समर्थकों ने कार्यक्रम से दूरी बना ली वरन विधायक बसंत सिंह स्वयं पार्टी की इस महत्वपूर्ण बैठक में शामिल नहीं हुए। बताया जा रहा कि विधायक समर्थकों ने इस बात पर कड़ी आपत्ति जताते हुए संगठन के प्रभारी तरूण भानोट को भी इस बात से अवगत कराया जिस पर प्रभारी श्री भानोट ने माना कि जिले के एक मात्र विधायक की फोटो बैनर में होना चाहिए थी। उन्होंने जिम्मेदार लोगों को ताकीद दी कि दोबारा ऐसी भूल नहीं होनी चाहिए। बहरहाल प्रभारी के हस्तक्षेप किसी तरह मामला ठंडा कर दिया गया, परंतु इस मामले ने कांग्रेस की गुटीय राजनीति को सतह पर ला दिया है। ताज्जुब है कि भाजपा के समक्ष सांगठनिक रूप से कमजोर कांग्रेस के नेता इन कमियों को भी दूर नहीं कर पा रहे हैं फिर अगले चुनावों के लिए वे कैसे एकजुट होकर मुकाबला कर पाएंगे।

बंद मकान के अंदर प्रौढ़ की अर्धनग्न लाश बरामद

पत्नी व इकलौते पुत्र की मौत के बाद रहता था अकेले, मामला संदिग्ध, पुलिस जांच में जुटी

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र की निवार पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम धपई में एक 55 वर्षीय प्रौढ़ की मकान के अंदर से सड़ीगली व अर्धनग्न लाश बरामद की गई है। प्रौढ़ की मौत कैसे व किन परिस्थितियों में हुई, अभी इस बात का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। निवार पुलिस चौकी प्रभारी नासिर हुसैन ने बताया कि ग्राम धपई निवासी 55 वर्षीय बाबू उर्फ ओंकार तिवारी पत्नी व इकलौते पुत्र की मौत के बाद मकान में अकेले रहता था। बताया जाता है कि वह लगभग एक सप्ताह से मकान से बाहर नहीं निकला और मकान के अंदर से दुर्गंध आना शुरू हुई तो मोहल्ले पड़ोस वालों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मकान का दरवाजा तोड़कर अंदर देखा तो ओंकार तिवारी सड़ीगली लाश चटाई के ऊपर पड़ी हुई थी। लाश में कीड़े तक लग चुके थे। जिसके बाद इसकी सूचना ओंकार तिवारी की परिचित आदर्श कालोनी निवासी विजय कुमार तिवारी को दी गई।

बताया जाता है कि पत्नी व पुत्र की मौत के बाद विजय तिवारी कभी कभार धपई जाकर ओंकार तिवारी की कुशल क्षेम लेते रहते थे लेकिन काफी दिनों से वो भी धपई नहीं गए थे। उधर ओंकार तिवारी की लाश अर्धनग्न अवस्था में मिलने की वजह से मामला कुछ संदिग्ध भी लग रहा है। पुलिस के मुताबिक ओंकार तिवारी शरीर में सिर्फ बनियान बस पहने हुए हैं जबकि नीचे कुछ नहीं है। इसलिए मामला कुछ संदिग्ध लग रहा है। बहरहाल पुलिस शवपरीक्षण कराते हुए मामले की जांच कर रही है।

जमीन हड़पने खेतों में फिंकवा रहे ओवर वर्डन

कटनी। अल्ट्राटेक व्हाईट सीमेंट कंपनी के कतिपय अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा बड़वारा तहसील के ग्राम छपरवाह के किसानों की जमीन हड़पने की नियत से डराया धमकाया जा रहा है। यह आरोप लगाते हुए आज दोपहर किसानों ने विधायक संदीप जायसवाल से मुलाकात करते हुए एक ज्ञापन सौंपा और कार्यवाही की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि पिछले दो-तीन वर्षों से किसानों की जमीन को हड़पने की नियत से डराया व धमकाया जा रहा है। भूमि खसरा नंबर 8/41 से 8/63 तक कंपनी के पक्ष में अपनी सहमति देने हेतु दबाव बनाया जा रहा है। किसानों ने कहा कि कृषक होने के नाते पिछले कई वर्षों से कृषि से ही जीविकोपार्जन करते आ रहे हैं लेकिन अल्ट्राटेक व्हाईट सीमेंट कंपनी द्वारा जानबूझकर खदान का ओव्हर वर्डन मिट्टी एवं कचरा कृषि योग्य भूमि में फिंकवाया जा रहा है। कंपनी द्वारा वर्ष 2019-20 में अपने प्रभाव एवं धन बल के आधार पर पटवारी से मिलकर खसरा के कॉलम नंबर 12 में शासकीय मद की भूमि पट्टे पर दर्ज करवाई गई है। किसानों ने आरोप लगाया कि कंपनी के अधिकारियों अंजनी पाण्डेय, विजय जायसवाल एवं अरुण अग्रवाल द्वारा अपनी सहमति कंपनी के पक्ष में देने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। धमकियों से किसान व उनका परिवार डरा हुआ है। कंपनी द्वारा धमकी दी जा रही है क्रि भूमि को कंपनी के पक्ष में लीज स्वीकृति सहमति नहीं दी जाती है तो वे अधिकारियों से मिलकर भूमियों को शासकीय मद में दर्ज करवा देगें। क्षेत्र के किसानों राजाराम, सुरेन्द्र, बल्लू, संजय, विजय, हरिलाल, नत्थू कोल, बच्चू, मौजीलाल, नरेश, शोभालाल, कंछेदी, काशीराम, राजकुमार, जयलाल आदि ने विधायक से न्याय की गुहार लगाई है।

अल्ट्राटेक व्हाईट सीमेंट कंपनी पर किसानों ने लगाया आरोप, विधायक से कार्यवाही की मांग

6 महीने बाद दोबारा शुरू हुई जनसुनवाई

एक साल से पेंशन के लिए भटक रहा वृद्ध

कटनी। कोरोना संक्रमण की वजह से 6 महीने बाद आज मंगलवार से दोबारा शुरू हुई जनसुनवाई में एक साल से पेंशन के लिए भटक रहे वृद्ध ने पहुंचकर गुहार लगाई। जालपा वार्ड पुरानी बस्ती निवासी 75 वर्षीय बलराम पिता शिवप्रसाद बारी ने बताया कि उसे वृद्धावस्था पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है। पिछले एक साल से वह पेंशन के लिए चक्कर काट रहा है, लेकिन प्रशासन ने उसकी कोई सुनवाई नहीं। अब जब जनसुनवाई शुरू हुई तो वह आज अपनी फरियाद लेकर यहां पहुंचा है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश शासन के सामाजिक न्याय विभाग द्वारा बुजुर्गों को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन प्रदान की जाती है। कटनी नगर निगम सीमा के अंतर्गत आने वाले 45 वार्डों में बुजुर्गों को पेंशन का वितरण करने का जिम्मा नगर निगम प्रशासन के पास है लेकिन पिछले काफी समय से पेंशन वितरण में कई तरह की शिकायतें सामने आ रही है। ऐसा ही एक मामला आज जनसुनवाई में पहुंचा। जालपा वार्ड निवासी बुजुर्ग बलराम बारी ने जनसुनवाई में पहुंचकर पेंशन दिए जाने की फरियाद की। गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण की वजह से इस साल मार्च के महीने के बाद से ही जनसुनवाई का आयोजन बंद था। इस दौरान लोगों को अपनी शिकायतों और समस्याओं के समाधान के लिए परेशान होना पड़ रहा है लेकिन संक्रमण की रोकथाम के बाद एक बार फिर जनसुनवाई शुरू हो गई है।

फोटोग्राफी प्रतियोगिता में एनकेजे के पायलट ने जीता प्रथम पुरस्कार

कटनी। पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक शैलेन्द्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं अपर महाप्रबंधक शोभन चौधुरी के निर्देशन में और मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राहुल जयपुरियार के नेतृत्व में जनसंपर्क विभाग द्वारा फोटोग्राफी प्रतियोगिता की एक अनूठी पहल की शुरुआत की गई है। इस प्रतियोगिता में पमरे के मुख्यालय एवं तीनों मण्डलों के रेलवे अधिकारी, रेलवे कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्यों ने हिस्सा लिया। यह फोटोग्राफी प्रतियोगिता 1 जुलाई से 31 अगस्त तक आयोजित की गई। पमरे के मुख्यालय एवं तीनों मण्डलों तथा दोनों कारखानों के सभी विभागों से 212 फोटोग्राफ प्राप्त हुए। पश्चिम मध्य रेल द्वारा नॉमिनेटेड जज पैनल ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सहित 12 प्रतिभागियों को विजेता घोषित किया गया है। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में मुख्यालय एवं जबलपुर मंडल में प्रथम पुरस्कार एनकेजे में पदस्थ असिस्टेंट लोको पायलट आशीष कुशवाहा ने जीता। इसी तरह द्वितीय पुरस्कार सादिक खान सीआरएस जबलपुर एवं तृतीय पुरस्कार चंद्रन के हेल्पर इंजीनियरिंग जबलपुर ने जीता है। इस फोटोग्राफी प्रतियोगिता में सभी विजेताओं को पुरस्कृत राशि एवं प्रमाण पत्र 28 सितंबर को मुख्यालय जबलपुर में दिया जाएगा।

गांवों से हो रहा मजदूरों का पलायन

विजयराघवगढ़। प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का पलायन रोकने प्रत्येक ग्राम पंचायत में विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन कर लोगों का पलायन रोकने के अनेक उपाय किए गए हैं, किंतु ग्रामीण क्षेत्र के गरीब मजदूरों का पलायन रुकना अब किसी के बस में नहीं रह गया है। एक और जहां ग्रामीणों की पलायन रोकने के लिए प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायत स्तर में गरीबों को रोजगार हेतु महात्मा गांधी रोजगार योजना के तहत गरीबों को रोजगार देकर पलायन रोकने महिलाओं को आत्म निर्भर व सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। स्वसहायता समूहों को भी रोजगार से जोड़ा जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के गरीब हरिजन आदिवासियों व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने प्रयास किए जा रहे है। महात्मा गांधी मनरेगा के कार्यो में अभी तक मस्टर का संधारण ग्राम पंचायतों में चल रहे कार्यो की प्रगति का कार्य अभी तक पुरुष करते थे। किंतु राज्य सरकार द्वारा अब इस कार्य के लिए जिले में मेट का कार्य 50 प्रतिशत समूह की महिलाओं द्वारा कराने निर्णय लिया गया है। ताकि महिलाएं भी इस कार्य में सशक्त हो और लोगों का बाहर पलायन रुक जाय। किन्तु इस कार्य के लिए मार्गदर्शको को सशक्त भूमिका निभानी होगी।

विजयराघवगढ़ में आस्था के साथ हुआ प्रतिमाओं का विसर्जन

विजयराघवगढ़। 10 दिवसीय गणेश पर्व का समापन अनंत चतुर्दशी को धूमधाम से किया गया। गणपति अपने गांव चले, कैसे हमको चैन मिले, गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ जैसे गीतों व बैंड बाजा की धुन में प्रथम पूज्य गौरी नंदन गणेश भगवान की भादो मास की चतुर्थी से नियमित पूजन पाठ आरम्भ कर लगातार दश दिनों तक बड़ी आस्था के साथ पूजन पाठ के उपरांत अनन्त चतुर्दशी पर 1 दिन पूर्व से ही हवन भण्डारा कन्या भोज उरान्त मध्यान्ह पश्चात देर शाम तक बेंड बाजो की धुन में थिरकते महानदी के हिनोता घाट पहुंचकर विसर्जित किया गया।

यदि आप तक समय पर
यश भारत
नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करें
फोन :- 230033

किराये से देना है
सिंगल रूम अटैच- 3000 प्रतिव्यक्ति
सर्विस वालों एवं ऑफिस के लिए- 5000 दो व्यक्ति
पता- बीजेपी कार्यालय के सामने
जबलपुर रोड बरगवां कटनी (म.प्र.)
मो. 8109417340

एन.ए.बी.एच. द्वारा प्रमाणित
एम.जी.एम. हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेन्टर
(A Unit of Katni Hospital Pvt. Ltd.)
कचहरी चौराहा, फारेस्टर प्लेग्राउंड के सामने, कटनी (म.प्र.) फोन : 07622-405070-71-72 मो. 9424957890
कटनी में पहली बार मल्टी स्लाइस सी.टी.स्कैन मशीन द्वारा सी.टी.स्कैन जाँच सुविधा
वेन्टीलेटर सुविधा ट्रामा एवं एक्सीडेंट यूनिट सर्पदंश डी-प्वाइजन यूनिट
प्रतिदिन डायलिसिस सुविधा
24 घंटे एम्बूलेंस
24 घंटे दवाईयां
24 घंटे डिजिटल एक्सरे
24 घंटे एम.एल.सी
आयुष्मान भारत निरामयम, ई.एस.आई, राज्य शासकीय कर्मचारी, एम.पी.पुलिस एवं अन्य निजी मेडीक्लेम कंपनी के लाभार्थियों को कैशलेस इलाज की सुविधा
अस्थि रोग | शल्य चिकित्सा | स्त्री रोग | हृदय रोग | सामान्य चिकित्सा | फिजियो थेरेपी | शिशु रोग | दंत रोग | मस्तिष्क रोग | नेत्र रोग
एम.जी.एम. स्कूल/कॉलेज ऑफ नर्सिंग
Ph. : 07622 - 405074, Mob. 7771001902
Email. : mgmnursingkte@gmail.com | Website : mgmnursingcollege.com
जिले के सर्वप्रथम पोस्ट बेसिक BSc.नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश प्रारंभ
डिप्लोमा जी.एन.एम. नर्सिंग उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पोस्ट बेसिक BSc. डिग्री नर्सिंग कोर्स करने का सुनहरा अवसर दो वर्षों में BSc. नर्सिंग करें।

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि	शैक्षणिक अर्हता
1	बी.एस.सी. (नर्सिंग)	4 वर्ष	12 वीं (बायोलॉजी)
2	जी.एन.एम. (नर्सिंग)	3 वर्ष	12 वीं
3	पोस्ट बेसिक बी.एस.सी.(नर्सिंग)	2 वर्ष	GNM उत्तीर्ण

छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति शासन द्वारा नियमानुसार प्रदान की जाती है
SC / ST/ OBC
छात्रावास एवं मेस (भोजन) की सुविधा
जिला अस्पताल कटनी, मनोरोग चिकित्सालय इंदौर में प्रशिक्षण
मान्यता प्राप्त - इण्डियन नर्सिंग काउंसिल नई दिल्ली, म.प्र. चिकित्सा शिक्षा विभाग भोपाल, म.प्र. स्टेट नर्सिंग काउंसिल भोपाल, म.प्र.मेडिकल यूनिवर्सिटी जबलपुर

पुराने कोच में रेस्टोरेंट की स्थापना से रेलवे को होगी अतिरिक्त आय

मुड़वारा स्टेशन में स्थापित होगा रेल कोच रेस्टॉरेंट

निविदा की प्रक्रिया पूरी, रेलवे ने कहा-शहर को मिलेगी एक अलग पहचान

कटनी। पश्चिम मध्य रेलवे के महत्वपूर्ण जंक्शन में कटनी में फूड प्लाजा की स्थापना के बाद अब कटनी मुड़वारा रेलवे स्टेशन में रेल कोच रेस्टॉरेंट स्थापित किया जा रहा है। रेल कोच रेस्टॉरेंट के लिए रेलवे ने तैयारियां पूरी कर ली है। रेस्टॉरेंट में रेल यात्रियों के साथ ही शहर के लोगों को भी उच्च गुणवत्ता के साथ 24 घंटे भोजन की सुविधा प्रदान की जाएगी। रेलवे का ऐसा मानना है कि रेल कोच रेस्टॉरेंट की स्थापना से शहर को एक अलग पहचान मिलेगी, इससे रेलवे की आय में भी वृद्धि होगी। रेस्टॉरेंट का लाइसेंस लेने वाले ठेकेदार को पुराने रेल कोच का नवीनीकरण करते हुए रेल कोच रेस्टॉरेंट बनाना होगा। यह कोच रेलवे की सम्पति के रूप में रहेगा, इसके लिए 5 साल की अवधि के लिए अनुबंध कियार गया है। रेस्टारेंट के लिए 1200 वर्गफुट क्षेत्र उपलब्ध कराया जा रहा है और रेलवे को मुड़वारा स्टेशन से हर साल 18.20 लाख रूपए और सभी 7 स्टेशनों से पश्चिम मध्य रेलवे को 4 करोड़ 80 लाख की अतिरिक्त आय मिलेगी। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के मुताबिक पश्चिम मध्य रेलवे जोन जबलपुर द्वारा रेलवे की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। रेलवे अधिकारियों की मंशा है कि आय बढ़ाने के साथ ही यात्रियों की सुविधाओं में भी बढ़ोत्तरी की जाए। इसी मंशा को ध्यान में रखते हुए जोन के महाप्रबंधक शैलेन्द्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन और मण्डल रेल प्रबंधक के नेतृत्व में रेलवे के वाणिज्य विभाग द्वारा गैर-किराया राजस्व योजना के तहत अतिरिक्त आय अर्जित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस योजना के तहत पमरे के जबलपुर मंडल के अंतर्गत कटनी मुड़वारा रेलवे स्टेशन पर रेल कोच रेस्टॉरेंट स्थापित करने के लिए अनुबंध किया जा रहा है।रेलवे का मानना है कि यह रेल उपयोगकर्ताओं और आम जनता को एक नया अनुभव देगा और शहर को एक नयी पहचान भी मिलेगी। गैर किराया राजस्व योजना के तहत कटनी मुड़वारा के अलावा जबलपुर, मदनमहल, सतना और रीवा स्टेशनों के सर्कुलेटिंग एरिया में रेल कोच रेस्टॉरेंट स्थापित किया जा रहा है।

लोकायुक्त ने शुरू की कोविड काल में हुई गड़बड़ी की जांच

स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप, सभी दस्तावेज तलब

कटनी। वैश्विक आपदा में एक ओर जहां लोगों को जिंदगी बचाने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ी, कई लोगों ने अपनो को खो दिया तो वहीं स्वास्थ्य विभाग के कुछ अफसर व कर्मचारी जेबें गर्म करने में जुटे रहे। तत्कालीन सीएमएचओ डॉ. एस के निगम का ऑडियो वायरल होने के बाद भ्रष्टाचार की बड़ी पोल खुलकर सामने आई थी। जिसके बाद उन्हें निलंबित करते हुए अटैच करने की कार्रवाई हुई थी। कोविड के दौरान कई खरीदी में गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। शिकायत लोकायुक्त तक पहुंच गई है और लोकायुक्त ने इसकी जांच शुरू कर दी है। जांच शुरू होते ही स्वास्थ्य विभाग के कई अफसरों में बड़ी खलबली मची हुई है। गौरतलब है कि दवाओं से लेकर स्टूमेंट खरीदी के नाम पर बड़ा खेल हुआ है। मास्क, सैनिटाइज सहित अन्य उपकरण व भोजन आदि के नाम पर जमकर गड़बड़ी की गई है। कोविड केयर सेंटरों के नाम पर करोड़ों के वारे-न्यारे हुए हैं। अब इस मामले में लोकायुक्त ने जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि राममनोहर लोहिया वार्ड निवासी रामप्रसाद लढ़िया द्वारा संभागायुक्त से भी शिकायत की गई है। जिसमें बताया गया है कि डॉ. एस के निगम सहित अन्य अधिकारियों के कार्यकाल में खरीदी के नाम पर जमकर कमीशनखोरी हुई है। स्टोर प्रभारी मानसिंह यादव की मिलीभगत से यह खेल हुआ है। हैरानी की बात तो यह है वर्तमान सीएमएचओ डॉ. प्रदीप मुड़िया भी कई मनमानियां सामने आने के बाद भी ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे। जिससे कार्यप्रणाली पर शिकायतकर्ताओं ने सवाल खड़े किए हैं।

जांच में खुलेगा वैश्विक महामारी के दौरान सीएमएचओ कार्यालय का फर्जीवाड़ा

सीएमएचओ की चिट्ठी से मची खलबली

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रदीप मुड़िया ने स्टोर कीपर को पत्र लिखकर दो दिवस के अंदर जानकारी देने पत्र लिखा है। उसमें उल्लेख किया गया है कि शिकायत क्रमांक 508 में अन्य सभी दस्तावेज भी प्रस्तुत करें। यह जानकारी कार्यालय पुलिस अधीक्षक विशेष पुलिस स्थापना लोकायुक्त कार्यालय के पत्र क्रमांक/क्यू/पुअ/2021 दिनांक 8 जुलाई 21 के संबंध में जानकारी चाही गई है। सीएमएचओ ने कहा कि लोकायुक्त निरीक्षक स्वप्निल दास द्वारा बिंदुवार जानकारी चाही गई है। दो दिवस के अंदर कोविड केयर सेंटरों में कितनी फर्मों को टेंडर दिया गया है। 2020 व 2021 तक के उक्त फर्मों से संबंधित समस्त दस्तावेज मंगाए गए हैं।

इनका कहना है

लोकायुक्त सहित जेडी ऑफिस से जो जानकारी मंगाई गई है वह भेज दी गई है। जांच रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई होगी। किसी भी हाल में गड़बड़ी करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। हर संकट से निपटने प्रयास जारी हैं।

-डॉ.प्रदीप मुढ़िया, सीएमएचओ

7 साल से लापता रेलकर्मी का नहीं लगा कोई सुराग

अनुकम्पा नियुक्ति के लिए मां-बेटा को मृत्यु प्रमाणपत्र की जरूरत

कटनी। पिछले सात साल से भी ज्यादा समय से लापता पति की पीड़ित पत्नी सोमवार को जीआरपी थाना प्रभारी के पास पहुंची। पीड़िता ने कहा कि साहब सात साल से ज्यादा का समय हो गया है मेरे पति का पता नहीं चल रहा है, खोज-खोज कर थक गए हैं। बेटों ने कई जगह खोजा लेकिन कोई सुराग नहीं लग रहा है। आंखें पथरा गई हैं हालांकि हम तो चाह रहे हैं कि कहीं पर भी हों तो वापस आ जाएं। अब तो आप उनका मृत्यु प्रमाणपत्र बनवा दीजिए ताकि एक बेटे को अनुकंपा नौकरी मिल जाए। यह बात सोमवार को जीआरपी थाना पहुंचीं प्रौढ़ महिला 56 वर्षीय पावर्ती सिंह ने जीआरपी थाना प्रभारी राकेश पटेल से कही। दरअसल रोशननगर निवासी 58 वर्षीय कैलाश सिंह पिता किशोरी सिंह जो कि रेलवे में वॉयर मैन के पद पर कार्यरत थे। सात साल पहले 18 जून 2014 को अचानक ट्रेन से लापता हो गए। पत्नी पावर्ती सिंह का कहना है कि 2014 से लगभग 6 साल पहले से उनकी दीमागी हालत खराब हो गई थी। खाना-पीना भी कम खा रहे थे। कमजोर हो गए थे। लापता होने के बाद आजतक पता नहीं चला।

2014 में ट्रेन में सफर के दौरान हुए थे लापता

पावर्ती सिंह ने बताया कि 2014 में बेटी पूजा सिंह का ब्याह करने पिपरिया ट्रेन से जा रहे थे, इसी दौरान वे गायब हो गए। बेटी को वे जान से भी ज्यादा चाहते थे। एक बेटी और तीन बेटा हैं। सोमवार को मां बड़े बेटे राघवेंद्र सिंह को लेकर जीआरपी पहुंचीं। जहां पर जीआरपी प्रभारी सहित एएसआई एच एन त्रिवेदी ने आवश्यक सुझाव दिए।

इनका कहना है

लापता रेलकर्मी की पत्नी पार्वती सिंह थाना पहुंची थीं। पति की मृत्यु घोषित कराने व प्रमाणपत्र की बात रखी है। उनसे आवश्यक दस्तावेज रेलवे में जमा करने कहा है क्योंकि गुमने की अवधि सात साल पूरी हो गई है। आवेदन कलेक्टर के समक्ष करने कहा है।

- आर.के.पटेल, जीआरपी थाना प्रभारी

आज से शुरू हुआ पितरों का तर्पण, नदी-घाटों पर उमड़े श्रद्धालु

कटनी। पितृ पक्ष की शुरुआत आज से हो गई है। पहले दिन मंगलवार को कटनी नदी सहित दूसरी नदियों के घाटों पर बड़ी संख्या में लोगें ने पहुंचकर पितरों का तर्पण किया। इस दौरान पंडितों ने पूरे विधान के साथ तर्पण कराया। पितरों का तर्पण करने के लिए सुबह करीब 6 बजे से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। पितृपक्ष का समापन 6 अक्टूबर को सर्व पितृमोक्ष अमावस्या पर होगा। पंडित सुनील कुमार शास्त्री ने बताया कि पितृपक्ष के दौरान श्रद्धालु अपने पितरों को याद करते हुए उनके निमित्त तर्पण, श्राद्ध व पिंडदान कर अपनी श्रद्धा, आस्था और कृतज्ञता प्रकट करेंगे। पितृ पक्ष के पहले दिन से ही शहर के नदी घाटों पर तर्पण के जरिए जलांजलि देने की शुरूआत हुई, जो पितृमोक्ष अमावस्या तक जारी रहेगी। शास्त्रों में बताया गया है कि पितृपक्ष की चतुर्दशी तिथि को केवल अपमृत्यु यानी अप्राकृतिक रूप से जिनकी मृत्यु हुई हो, केवल उन लोगों का ही श्राद्ध करने का विधान है। अमावस्या को सर्वपितृ श्राद्ध भी कहा जाता है। इस दिन अमावस्या तिथि में मृत्यु को प्राप्त हुए लोगों के अलावा, जिनकी मृत्यु की तिथि का पता नहीं हो, जिनका श्राद्ध पक्ष में मृत्यु तिथि पर श्राद्ध नहीं हुआ हो, उनका भी श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।

सर्वपैत्री अमावस्या में पितृ विसर्जन

पितृ पक्ष का समापन 6 अक्टूबर को सर्वपैत्री अमावस्या पर पितृ विसर्जन से होगा। इस बार आश्विन कृष्ण पक्ष में तृतीया तारीख की वृद्धि हो रही है, जो 23 और 24 सितंबर को भी रहेगी। इससे पितृ पक्ष 16 दिनों का होगा। ज्योतिषाचार्य पंडित सुनील शास्त्री ने बताया कि सनातन धर्म में किसी पक्ष का आरंभ उदया तिथि अनुसार माना गया है। वहीं श्राद्ध-तर्पण का समय दोपहर में होता है। शास्त्रों में मनुष्यों के लिए देव, पितृ, ऋषि तीन ऋण बताए गए हैं।

प्रथम पुण्य स्मरण

स्व. श्री प्रेमचंद जी चोपड़ा
(स्वर्गवास - 21 सितम्बर 2020)
पुण्यतिथि पर शत-शत् नमन
श्रद्धावनत
भाई - इंदरचंद चोपड़ा
पत्नी - श्रीमती कुसुम देवी चोपड़ा
पुत्र, पुत्रवधु - शशि - स्व. विनोद चोपड़ा, विनेश-रेखा
सुधीर-राज, संजय-अल्पना, अजय-प्रीति, राजेश-संगीता, आनंद-शैला
नीलय - वर्षा, अतुल-प्रभा, नीरज-प्रीता, नितिन-शिल्पा चोपड़ा
पौत्र - प्रतीक-पूजा, विनय-रानू, विनीत-प्रतीक्षा, अंकित-प्रियंका, मेहुल, निखिल-ऋचा
अर्पित-श्रुति, अंशुल-मेधाली, राहुल, शुभम, आदित्य, आयुष, जतिन, निक्कू
पौत्री - ट्विंकल, प्रपौत्री - अन्वी, अहाना, प्रपौत्र - ग्रंथ, दक्ष
पुत्री दामाद - मोहन-महेन्द्र पुगलिया, अनीता-शांतिलाल कोचर
नीता-अल्केश बोथरा, नमिता-नीरज चौधरी
पौत्री दामाद - हनी-राजीव जैन, रूचि-श्रेयांश बांठिया, मिनाली-नीरज ओसवाल
निकिता-करण बरमट, नीति-अनुराग जैन, डम्पी-अमन सुराणा
एवं समस्त चोपड़ा परिवार, कटनी एवं राजनांदगांव
फर्म - भिलाई ट्रेडिंग कंपनी, चोपड़ा मिनरल्स एंड अलाइड प्रोडक्ट
22 इंडस्ट्रियल एरिया, कटनी (म.प्र.)

मोबाइल फटने से किशोर घायल

यूट्यूब चलाते समय हुआ धमाका, उंगली फटी, चेहरे व पैर में भी चोट के निशान

कटनी। रीठी थाना क्षेत्र में मोबाइल फटने से एक युवक की उंगली फट गई। किशोर के चेहरे और पैर में भी चोट के निशान हैं। रीठी थाना अंतर्गत खिरबा गांव निवासी 16 वर्षीय नंदकुमार पिता बारेलाल चौधरी मोबाइल में यूट्यूब देख रहा था। इसी दौरान विस्फोट होने की आवाज सुनाई दी। इसके बाद माता-पिता किशोर के कमरे में पहुंचे। जहां देखा कि किशोर का हाथ खून से लथपथ था। तब किशोर ने माता-पिता को बताया कि मोबाइल फट गया है। जिसके बाद किशोर को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मोबाइल फटने से किशोर की उंगली भी फट गई ओर चेहरे और पैर में भी चोट आई है। किशोर ने बताया कि मोबाइल के भी परखच्चे उड़ गए हैं।

ट्रेन से टकराकर युवती की मौत

कटनी। जबलपुर-कटनी रेलखंड पर संसारपुर रेलवे फाटक के पास डाउन ट्रैक पर माइल स्टोन नंबर 1059 के पास एक युवती की ट्रेन से टकराकर मौत हो गई। स्लीमनाबाद थाना प्रभारी संजय दुबे के मुताबिक संसारपुर निवासी 18 वर्षीय रानी पिता घीसल आदिवासी सोमवार को रेलवे ट्रेक पर अचानक ट्रेन से टकराकर घायल हो गई। मौके पर रेलवे स्टॉफ के द्वारा उपचार के लिए ले जाया जा रहा था। इसी बीच उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने शवपरीक्षण कराते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

CITY Mall
EVERYTHING UNDER ONE ROOF
AVAILABLE FACILITIES
SHOPPING FUN FOOD ENTERTAINMENT HOSPITALITY
ASSOCIATED WITH
BIG BAZAAR Making India Beautiful
Reliance digital
TRENDS GET THEM TALKING
PLANET FASHION
U-TURN EMPIRE OF FAMILY FASHION
BOLSA
GALAXY GAME ZONE
City Pride Cinema
Food Junction The Food Court
HOTEL GRAND MERIDIAN
FLAVOURS Multi Cuisine Family Restaurant
GRAVITY THE PUB
City Mall, Near Main Railway Station, Barhi Road, Katni (M.P.)
Phone : +91 7622 422408, email : citymallkatni@gmail.com

पोस्ट कोविड समस्याओं के सही इलाज के लिए मिलें Pulmonologist
डॉ. स्मिता बजाज
MBBS, DTCD, CCEDM
टी.बी., दमा, श्वास, खांसी, एलर्जी एवं डायबटीज स्पेशलिस्ट
मौसम बदलने पर बार-बार खांसी आना, साल भर सर्दी बने रहना, एलर्जी की शिकायत होना एवं नींद में सीटी की आवाज आना
नोट- स्पायरोमीटरी (फेफड़ों की कम्प्यूटरीकृत जांच) एवं (एलर्जी टेस्टिंग) की सुविधा उपलब्ध है ।
संपर्क करे- डॉ. राजीव बजाज (शिशु रोग विशेषज्ञ)
कन्हैया हास्पिटल, माई नदी के पास बरही रोड, कटनी
फोन-07622-236253, मो. 6266203009

सिटी मॉल बरही रोड में

शानदार दूसरा सप्ताह
रोजाना 3 शो ता. 10 से दोपहर 12.30,3.30 एवं 6.30 बजे से
कलाकार- कंगना रणावत, अरविंद स्वामी, भाग्यश्री, मधु आदि।
थलाइवी
(हिन्दी में)
नोट- सिनेमा हॉल परिसर में कोविड-19 नियमों का पालन करें, खुद एवं दूसरों को सुरक्षित रखें। मास्क एवं सेनेटाईजर उपयोग करते रहें।

सिटी मॉल बरही रोड में

हॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म
रोजाना 2 शो ता. 17 से दोपहर 12 एवं 2 बजे से
कलाकार- रेयान रेनल्डस, जोडी कमर, लिल रेल, जो केरी आदि।
FREE GUY
(हिन्दी में)
नोट- सिनेमा हॉल परिसर में कोविड-19 नियमों का पालन करें, खुद एवं दूसरों को सुरक्षित रखें। मास्क एवं सेनेटाईजर उपयोग करते रहें।

सिटी मॉल बरही रोड में

हॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म
रोजाना 2 शो ता. 17 से सायं 4 एवं 7 बजे से
कलाकार- सीमू ल्यू, एक्वाफीना, टोनी लेंग, फला चेन आदि।
SHANG-CHI
(हिन्दी में)
नोट- सिनेमा हॉल परिसर में कोविड-19 नियमों का पालन करें, खुद एवं दूसरों को सुरक्षित रखें। मास्क एवं सेनेटाईजर उपयोग करते रहें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं कचहरी चौक कटनी से प्रकाशित। सम्पादक-श्याम कटारे एवं स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*। फोन (07622) 406666, 230033, जबलपुर कार्यालय फोन- (0761) 2643333, 2646666 फैक्स (0761) 4084085 डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)